

ଧ୍ବନିପରିଚୟ : ଧ୍ବନି ପରିଚୟ

ପଞ୍ଚମ: ପାଠ:

ପ୍ରାତିପଦିକା- ପ୍ରାତିପଦିକା

ବାଳକ	ପାଦପ	ଗଜ	କରଦୀପ	ଲତା	ବନ
ରାଗ	ମୃଗ	ଶୁକ	ଆପଣ	ଗୀତା	ଜଳ
ଶିକ୍ଷକ	ରଥ	ମୟୂର	ଉଲୁକ	ମାଳା	ଫଳ

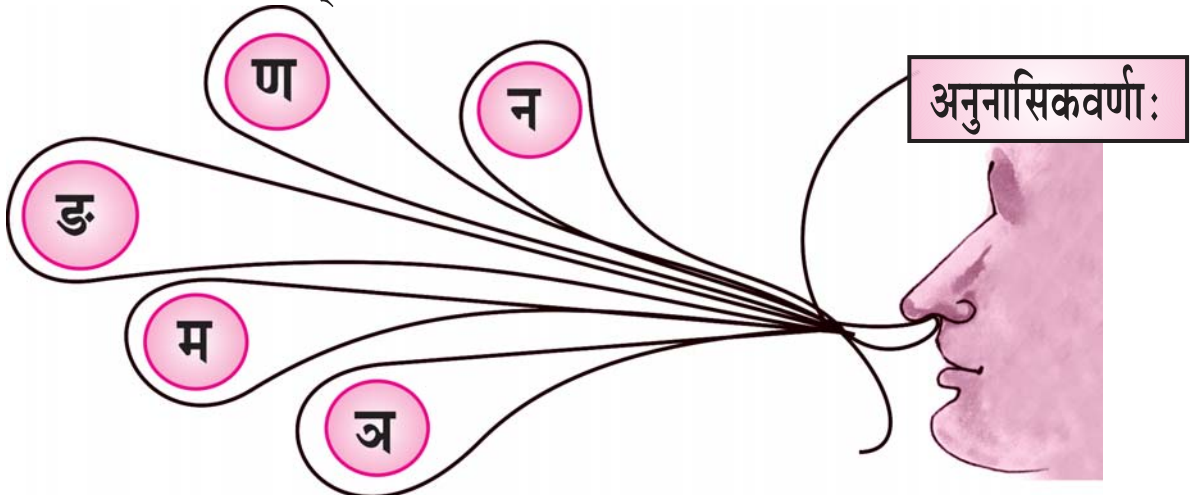
ବିସର୍ଗ : (:) ବିସର୍ଗ (ଃ)

ବାଳକ:	ପାଦପ:	ଗଜ:	କରଦୀପ:
ରାଗ:	ମୃଗ:	ଶୁକ:	ଆପଣ:
ଶିକ୍ଷକ:	ରଥ:	ମୟୂର:	ଉଲୁକ:

କ୍ଷ (୧)	ର (୧)	ର (୧)	ର (୧)
କ୍ଷକ:	ମୃଗ:	କ୍ରମ:	ପ୍ରଶ୍ନ:
ଗୃହମ୍	ନୃପ:	ଶ୍ରମ:	ତ୍ରାସ:
ଶୃଗାଳ:	କୃଷି:	ଭ୍ରମ:	ଚିତ୍ରମ୍

ରେଫ: (୧) ରେଫ (୧)

ଅର୍କ:	ଗର୍ତ:	ସର୍ପ:
ନର୍ତକ:	ଗର୍ଗ:	ସର୍ଜକ:
ନର୍ମଦା	ଗର୍ଜନମ୍	ସର୍ବତ୍ର



ଶବ୍ଦାର୍ଥ - ପ୍ରାତିପଦିକା = ମାତୃଭାଷାରେ ବ୍ୟବହୃତ ମୂଳଶବ୍ଦ ।

ପ୍ରାଦିପ = ଗଛ, ଶୁକଃ = ଶୁଆ, କରଦୀପ = ଚର୍ଚ୍ଚ, ଆପଣ = ଦୋକାନ, ଉଲୁକ = ପେଟା

ଅର୍କଃ = ସୂର୍ଯ୍ୟ, ଗର୍ଗଃ = ଜଣେ ରକ୍ଷିକ ନାମ ।

ସର୍ଜକଃ = ଯେ ତିଆରି କରେ ବା ସଫା କରେ ।

अनुस्वारः (¨) थङ्गुश्वार (°)

हंसः	विंशतिः	अंशुपा
कंसः	अंशः	संयोगः
वंशः	संशयः	संवादः

अभ्यासः (थङ्गुपात्र)

१. शुद्धपदं लिखतु (शुद्ध पद लेख)

यथा - पा शु अं _____ अंशुपा

(क) वा सं दः _____

(ख) शः वं _____

(ग) तिः विं श _____

(घ) यो सं गः _____

(ङ) सं यः श _____

२. शून्यस्थानं पूरयतु (शून्यस्थान पूरणा कर)

यथा-_____ शयः = संशय :

(क) संयो _____ |

(ख) _____ शतिः |

(ग) वं _____ |

(घ) अं _____ पा |

(ङ) सं _____ दः |

ऊष्मवर्णाः उष्म वर्ण

श ष स ह

३. मैखिकप्रश्नः -

संस्कृतरूपं कथयतु - हा०, ग०, ००, ०००, ००००, ०००००

संयुक्ताक्षरस्वरूपम् ंशुभाषर नात्रा िह

क	ख	ग	घ	ङ					
क्	ख्	ग्	घ्	ङ्					
च	छ	ज	झ	ञ					
च्	छ्	ज्	झ्	ञ्					
ट	ठ	ड	ढ	ण					
ट्	ठ्	ड्	ढ्	ण्					
त	थ	द	ध	न					
त्	थ्	द्	ध्	न्					
प	फ	ब	भ	म					
प्	फ्	ब्	भ्	म्					
य	र	ल	व	श	ष	स	ह		
य्/य्व	र्/र्व	ल्	व्	श्	ष्	स्	ह्		
		क्ष	त्र	ज्ञ					
		क्ष्	त्र्	ज्ञ्					

ପଞ୍ଚୟତୁ ଲିଖତୁ । ଦେଖ ଓ ଲେଖ ।

କ୍ + କ = କ୍କ

କ୍ + କ = କ୍

କ୍ + ଯ = କ୍ଯ

କ୍ + ଯ = କ୍ଯ

କ୍ + ତ = କ୍ତ

କ୍ + ତ = କ୍ତ



କୁକୁଟ:



ଚାଣକ୍ୟ:



ଭକ୍ତ:

ଙ୍ + କ = ଙ୍କ

ଙ୍ + କ = ଙ୍

ଙ୍ + ଖ = ଙ୍ଖ

ଙ୍ + ଖ = ଙ୍ଖ

ଙ୍ + ଗ = ଙ୍ଗ

ଙ୍ + ଗ = ଙ୍ଗ



ଅଙ୍ଗୁର:



ଶଙ୍ଖ:



ଗଙ୍ଗା

ଗଙ୍ଗାର୍ଥ - ଅଙ୍ଗୁର = ଗଙ୍ଗା

ट् + ट = ट्ट

ट् + ट = ट्ट



उट्टङ्कनम्

ङ् + ग = ङ्

ङ् + ग = ङ्



खड्गः

त् + य = त्य

त् + य = त्य



नृत्यम्

द् + ध = द्ध

द् + ध = द्ध



बुद्धः

द् + म = द्म

द् + म = द्म



पद्मम्

द् + य = द्य

द् + य = द्य



विद्यालयः

शब्दार्थ - उट्टङ्कनम् = टाइपिंग।

ह+म = ह्य

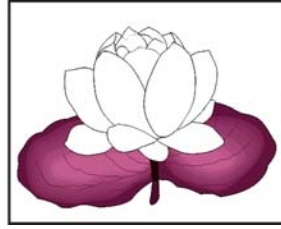
ह् + म = ह्य



ब्राह्मणः

ह+ल = हल

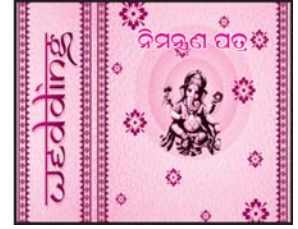
ह् + ल = हल



कह्लारः

ह+व = हव

ह् + व = हव



आह्वानपत्रम्

ह+ण = हण

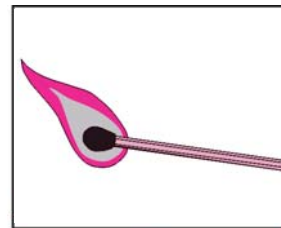
ह् + ण = हण



गृह्णाति

ह+न = हन

ह् + न = हन



वह्निः

क्+र = क्र

क् + र = क्र



चक्रम्

शब्दार्थ - कर्त्तारः = धर्माधिकारी, आह्वानपत्रम् = निमन्त्रणपत्र

त्+र = त्र

त्+र = त्र



नक्षत्रम्

म्+र = म्र

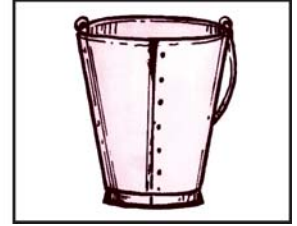
म्+र = म्र



आम्रम्

द्+र = द्र

द्+र = द्र



द्रोणी

स्+र = स्त्र

स्+र = स्त्र



प्रस्रवणम्

ज्+र = ज्र

ज्+र = ज्र



वज्रम्

श्+र = श्र

श्+र = श्र



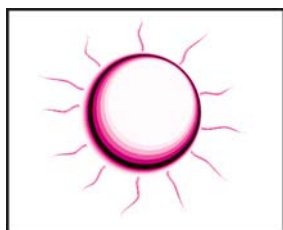
श्रवणः

शब्दार्थ - प्रस्रवणम् = झरणा, वज्रम् = घटभरणी ।

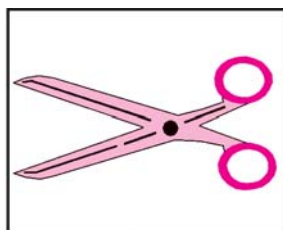
रू + य = रूय
रू + य = रूय (यय)

रू + त = रूत
रू + त = रूत

रू + ग = रूग
रू + ग = रूग



सूर्यः



कर्तरी

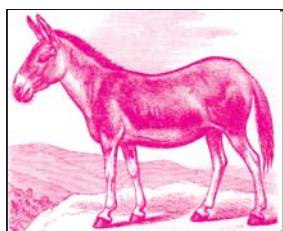


मार्गः

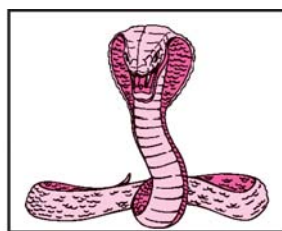
रू + द = रूद
रू + द = रूद

रू + प = रूप
रू + प = रूप

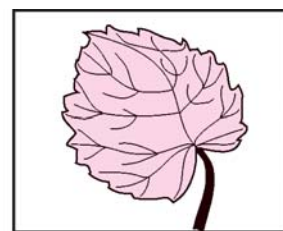
रू + ण = रूण
रू + ण = रूण



गर्दभः



सर्पः



पर्णम्

गर्दभः - गर्दभः = गर्दभ, पर्णम् = पर्णम्

ग + न = गन

ର + ନ = ଗ୍ନ

ज + ज = झ

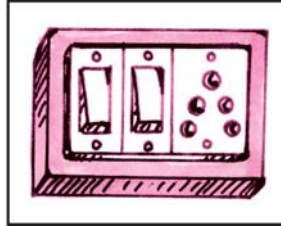
ଞ୍ + ଜ = ଞ୍ଝ

अ + छ = अछ

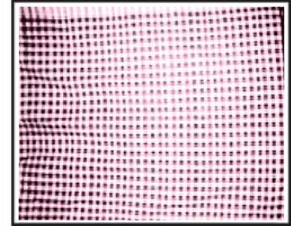
ଐ + ଛ = ଐଛ



अग्निः



पिञ्जः



प्रोज्झः

ज् + च = झ

ଞ୍ + ଚ = ଞ୍ଝ

ण् + ड = ण्ड

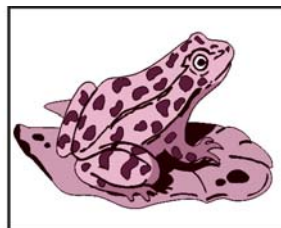
ଣ୍ + ଡ = ଣ୍ଡ

द् + व = द्व

ଦ୍ + ବ = ଦ୍ବ



कुञ्चिका



मण्डूकः



द्वारम्

ଶବ୍ଦାର୍ଥ - ପ୍ରୋଞ୍ଝଃ = ଗାମୁଛା ବା ଡାକ୍ତାଲିଆ

ପିଞ୍ଝଃ = ସୁଇଚ୍ ବୋର୍ଡ

ଧ୍ + ବ = ଧ୍ବ

ଧ୍ + ବ = ଧ୍ବ

ନ୍ + ଯ = ଣ୍ୟ

ନ୍ + ଯ = ଣ୍ୟ

ନ୍ + ନ = ଣ୍ନ

ନ୍ + ନ = ଣ୍ନ



ଧ୍ବଜ:



ସୈନ୍ୟ:



ଜଗନ୍ନାଥ:

ନ୍ + ଡ୍ + ର = ଣ୍ଡ

ନ୍ + ଡ୍ + ର = ଣ୍ଡ

ନ୍ + ଥ = ଣ୍ଥ

ନ୍ + ଥ = ଣ୍ଥ

ମ୍ + ବ = ଣ୍ବ

ମ୍ + ବ = ଣ୍ବ



ଚନ୍ଦ୍ର:



ଗ୍ରନ୍ଥ:



ଜମ୍ବୁକ:

ଶବ୍ଦାର୍ଥ - ଗ୍ରନ୍ଥ = ବହି, ଜମ୍ବୁକ - ଶୁଗାଳ

ल् + ल = ल्ल

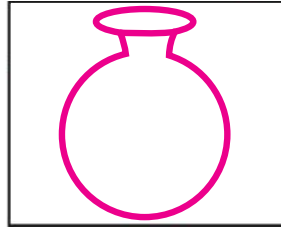
ल् + ल = ल्ल



वेल्लनी

म् + भ = म्भ

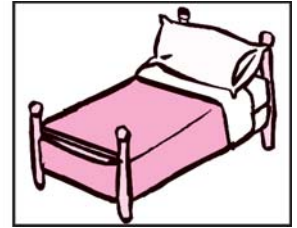
म् + भ = म्भ



कुम्भः

य् + य = य्य

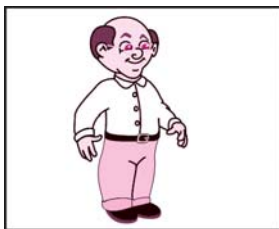
य् + य = य्य



शय्या

ल् + व = ल्व

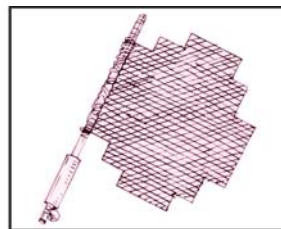
ल् + व = ल्व



खल्वाटः

व् + य = व्य

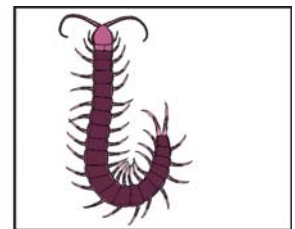
व् + य = व्य



व्यजनम्

श् + च = श्च

श् + च = श्च



वृश्चिकः

शब्दार्थ - कुम्भः = पाणिआ, शय्या = बेड, खल्वाटः = च । नुं छ वपळ्ळि

श्+व = श्व

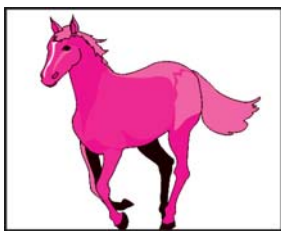
श्+व = श्व

ष्+प = ष्प

ष्+प = ष्प

ष्+ण = ष्ण

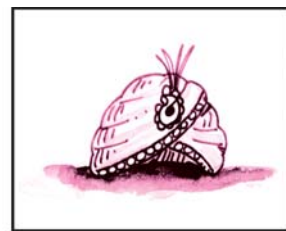
ष्+ण = ष्ण



अश्वः



पुष्पम्



उष्णीषम्

स्+त = स्त

स्+त = स्त

स्+थ = स्थ

स्+थ = स्थ

स्+फ = स्फ

स्+फ = स्फ



स्तम्भः



स्थालिका



स्फोटम्

तुम्हाळी काढ :- गाढावे ४८ मुळ्यांवरुन घांठुत गळ लेंडा ।
गळार्थ - गळोढल = घांठका वा वाडा

अभ्यास : (ଅଭ୍ୟାସ)

१. अक्षराणि सन्ति । पदनिर्माणं करोतु
(ଅକ୍ଷରଗୁଡ଼ିକ ନେଇ ପଦ ରଚନା କର)

स्था	ज	ली
व्य	द्य	म्
क	लि	र्षः
स	द	का
प	म्	न

(क) _____

(ख) _____

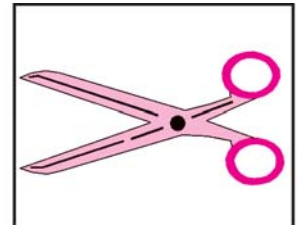
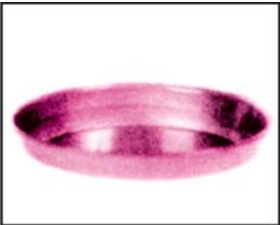
(ग) _____

(घ) _____

(ङ) _____

२. संस्कृतरूपं लिखतु । ସଂସ୍କୃତ ରୂପ ଲେଖ ।

ଫୁଲ, ବାଣ , ଥାଳୀ, ବିଲୁଆ, କଇଁଟି



୩. ଅନ୍ତ୍ୟାକ୍ଷରାଣି ସନ୍ତି । ପଦନିର୍ମାଣଂ କରୋତୁ । (ଶେଷ ଅକ୍ଷର ଅଛି ପଦନିର୍ମାଣ କର ।)

ଯଥା(କ)	_____	କ:	ବାଳକ:, ଚକ୍ର :
(ଖ)	_____	କା	
(ଗ)	_____	ନୀ	
(ଘ)	_____	ଥ:	
(ଙ)	_____	ଣୀ	
(ଚ)	_____	ଟ:	

୪. ପଦଂ ଲିଖତୁ (ପଦ ଲେଖ)

ଯଥା - ଜ ମ୍‌ ବ୍ୟ ନ	ତଥା - ବ୍ୟଜନମ୍
(କ) ମ୍ବୁ ଜ କ: _____	(ଙ) ସ୍ର ବ ପ୍ର ଣ ମ୍ _____
(ଖ) କ: ଣ୍ଡୁ ମ _____	(ଚ) ର: କ ଛା _____
(ଗ) କା ଞ୍ଚି କୁ _____	(ଛ) ବ୍ୟ: ଚା ଣ _____
(ଘ) କ ରୀ ଚ୍ଚ _____	(ଜ) ଟ୍ର କ୍ଷ ନ ମ୍ _____

ତୁମ୍ଭପାଇଁ କାମ :

ପଠିତ ବିଷୟ ଅନୁସାରେ ଚିତ୍ର ସଂଗ୍ରହ କରି ଖାତାରେ ଲଗାଇ
ସଂସ୍କୃତରେ ନାମ ଲେଖ ।